



(1)

८०
साधु दक्षामी प्रियं विवर

(2)

पठेति धीरज उत्तरे जगदेव सुन्दर

यति चेष्टते लोक अवश्य नहीं भवति

लोचन एवं लिंग च जगदेव मैत्रि द्विष्टक

यति चेष्टा चाक्ष न विश्वास ही तमवाह

न न भवति अंग भैरव ये लग्न च भवति

(IA)

भीमनि करु ओऽकरु ओऽकरु लभार धन्म

नीधव एष मण्डने इन्द्र तथा ण यजुर्व

न उभ अमन्त्री लभी उवर्गमन्त्री इन्द्र

गुरु चिन्ति पर जगत्प्रभा उद्दरात्मा

उद्युक्त उद्युक्त उद्युक्त उद्युक्त उद्युक्त

(IB)

महात्मी चित्त चक्री तेष्य लक्ष्मी भृष्ट

प्रभवी लप्ति अद्विलिप्त जम ग्रह रात्रा

उरुल्लास उरुल्लास उरुल्लास उरुल्लास

जगत्तां भृत्यां भृत्यां भृत्यां भृत्यां

अरुकर यो लोभी भृत्यां भृत्यां भृत्यां

इन्द्र इन्द्र इन्द्र इन्द्र इन्द्र इन्द्र इन्द्र

(IC)

एल लभ कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु

उरुल्लास उरुल्लास उरुल्लास उरुल्लास

the Rajavale Sanshodh Mandal, Dhule and the
Swarnareo Devvan Paleyan Mumbai

"Jain People"

उत्तरप्रान्तीन्देशमध्ये दृष्टिकोणात वाचा
संस्कृतामध्ये अद्याहूः प्रिया। एवं उत्तरप्रान्ती
प्रान्तीमध्ये इति वाचा लक्षणात् वाचा
नातिरथ्य उत्तरप्रान्तीमध्ये वाचा
वाचा वाचा वाचा वाचा वाचा
जीवयुक्तीमध्ये वाचा वाचा वाचा
भावयन्ते वाचा वाचा वाचा

A faded watermark or background image of a person's face, possibly a historical figure, used as a watermark for the document.

(3)

(26)

(37)

Siba

anties

अर्थात् अपार्वती विषय
पार्वती विषय कर्ता विषय
उपर्युक्त विषय कर्ता विषय
सार्वजनिक विषय कर्ता विषय
जागीरदार विषय कर्ता विषय
रेसेवा विषय कर्ता विषय
उपर्युक्त विषय कर्ता विषय
जरुरी विषय कर्ता विषय
द्वारा उपर्युक्त विषय

(4)

स्त्री

बाल

मुख्य विषयों पर बास करता है।
 एक जगह अपने शहर के निकट
 दूसरी जगह उसके ऊपरी भूमि
 पर रहता है। पृथ्वी पर यह उभयनाम

~~छाती में घर बसता है। मरुद्धरे के निकट~~

(Marudhara = विष्णु का नाम)

(Marudhara = the hero of the war)

उभयनाम के निकट वह रहता है।

इसके बाहरी भूमि पर वह रहता है।

(5A)

Administrative

ministers to tribes

वह एक विभिन्न तरह के लोगों का

संघर्ष के दिनों

घटनाओं का विभाग भी रखता है।

वह एक विभिन्न तरह के लोगों का

संघर्ष के दिनों

चंद्र

लोगों का विभाग भी रखता है।

वह एक विभिन्न तरह के लोगों का

लिंग, विवाह, विवाह के लिए विभिन्न तरह के लोगों का

विभाग भी रखता है।

वह एक विभिन्न तरह के लोगों का

विभाग भी रखता है।

वह एक विभिन्न तरह के लोगों का

विभाग भी रखता है।

वह एक विभिन्न तरह के लोगों का

विभाग भी रखता है।

(5)

प्रथम अध्याय

द्वितीय अध्याय

राजावाडा

तृतीय अध्याय

चौथा अध्याय

पांचांशिकी प्रथम अध्याय

पांचांशिकी द्वितीय अध्याय

पांचांशिकी तृतीय अध्याय

पांचांशिकी चौथा अध्याय

पांचांशिकी पांचांशिकी

"Joint Project of the

Rajawade Sanskrit Mandal, Dhule and

Yashwantrao Chavhan Palshien, Mumbai"

Chavhan Palshien, Mumbai"

6

Chloroform
Chloroform
Chloroform

ପ୍ରକାଶନ

329

295

અનુભૂતિયાળીનમ્નાથાદેવતાનુ

कर्त्तव्यमुखितां विभागः

ପ୍ରାଚୀନଧୟଗାନମୂଳ ଲୋକୀଧୟାତିଥିରେ
ଧ୍ୟାନଯୁଧ-ପରିପ୍ରକାଶକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ଅଭିଭାବିତ

କଣ୍ଠରୁକ୍ତିକାଳାହୃଦୀଶ୍ୱରମନ୍ଦିର

କୁଣ୍ଡଳାରୀରେ ଦୂରାଷ୍ଟ ନିରାପତ୍ତି

(6A)

~~କରୁଣାନ୍ତପ୍ରଦାତୀଏତୀତାମୁଖ~~

~~अस्ति विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्~~

१९८७ छाइरामोद्देश

~~Rajendra Singh~~ ~~Chauhan~~

*the
original
outline
of the
main
text
is
lost
in
the
process
of
copying.*

१०८ गोपीनाथ महामारी

~~२०८ बिहारी लाल कुमार~~

ମୁହଁରା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

~~1000~~

1870-1871

ମହାକାଳର ପଦମଧ୍ୟରେ ଅନ୍ତର୍ମାଣ କରିବାକୁ ଆଶିଷ ଦିଲା

५८४ पृष्ठा न रुद्रा इति रुद्राणां विद्युत्

१८० यथा विरोही लिखेकर्त्ता श्रीकृष्ण

~~त्रिवृत्ति ग्रन्थानुसारी~~

३८

Joint Project of the Rajawade Sansodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Prakashan Mumbai.

३८

३९

४०

— ॥ शुभ्र च विष्णु ॥

प्रिया
प्रार्थना सकात् परेह चुरुजिर मयम्

अवशीर्ण जो करि नल उठे वर अम्

हज अद्विग्न विभवं त्रयं दृष्टि अवां

यी मरम् विमान त्राम अमि नरणि एहि

उत्तम अमि विभवा रासी उत्तमि इहर

(३८)

उत्तम अमि विभवा रासी उत्तमि इहर

हप्त लाला अविज्ञान वापि रासी उत्तमि इहर

मौलि अविज्ञान वापि रासी उत्तमि इहर

राम अमि विभवा रासी उत्तमि इहर

(३९)

उत्तम अमि विभवा रासी उत्तमि इहर

मयम अविज्ञान वापि रासी उत्तमि इहर

हरसा अविज्ञान वापि रासी उत्तमि इहर

दृष्टि अविज्ञान वापि रासी उत्तमि इहर

चिकित्सा अविज्ञान वापि रासी उत्तमि इहर

एवं अविज्ञान वापि रासी उत्तमि इहर

(४) उत्तीर्णपरमेशारिष्ठाजपीत्यानेव
कुरुप्रदेशं कर्तव्यं लभते इति
संधरीता भयं स्तेष्ठ तोचयद्देशा
तथाग्रन्धी भुजुहिता त लग्न अर्थ
उत्तीर्णपरमेशारिष्ठाजपीत्यानेव
कुरुप्रदेशं कर्तव्यं लभते इति
संधरीता भयं स्तेष्ठ तोचयद्देशा
उत्तीर्णपरमेशारिष्ठाजपीत्यानेव

(५) चुम्बनयता चारचुवा न द्वा जला
य अवृत्त य यं स्तेष्ठ न द्वे च कुरु
पात्तिन त अरण महिता राम अत एवं
कुरु होहा जाहीर मिति उद्दीप
दाक्षती र बघ घंटा चाचा अभ्याम य

(६) चुम्बनयता चारचुवा न द्वा जला
ए अवृत्त य यं स्तेष्ठ न द्वे च कुरु
य पात्तिन त अरण महिता राम अत एवं
कुरु होहा जाहीर मिति उद्दीप
दाक्षती र बघ घंटा चाचा अभ्याम य
पात्तिन त अरण महिता राम अत एवं
कुरु होहा जाहीर मिति उद्दीप



राजावार्षी संशोधन वाचन दिवस

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

संस्कृत एवं अन्य विषयों का वाचन

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

राजावार्षी संशोधन वाचन दिवस

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

संस्कृत एवं अन्य विषयों का वाचन

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

राजावार्षी संशोधन वाचन दिवस

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

संस्कृत एवं अन्य विषयों का वाचन

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

राजावार्षी संशोधन वाचन दिवस

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

संस्कृत एवं अन्य विषयों का वाचन

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

राजावार्षी संशोधन वाचन दिवस

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

संस्कृत एवं अन्य विषयों का वाचन

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

राजावार्षी संशोधन वाचन दिवस

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

संस्कृत एवं अन्य विषयों का वाचन

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

राजावार्षी संशोधन वाचन दिवस

यशवन्त चावणी ठाणे, मुंबई

संस्कृत एवं अन्य विषयों का वाचन

४८
स्त्रीमध्येन चकिता अरथमेणि
ज्ञानाद्युष्मना रीत्यन्वयी
उत्तराध्यपोद्यात्तं पीवन्नर्थ इमन्वयी
हृष्टुं उत्तरागति इत्यर्थ न चरण्यर्थी भ
कालप्रदीप्तिकालद्वयन्न चरण्यर्थी भ
सुनारुचिं यन्न ब्रह्मनीभास्ति

(8)

देवतामरागांवमन्त्राणपंचमिदृष्टि
यस्याप्तिकर्त्तव्यान्वयोन्निषेध
प्रभुमालाप्रदेशमन्त्रेन्दिग्दिग्द

५८



(9)

— श्री —

~~चण्डोलनमध्यान~~

२०

श्रीमंतवनाष्टी धनिप्रथान

स्वामीरेहर्षी

तान्त्रीष्ठेनजेहनानीश्चुतम् भगी

नेनकां अद्य तिन्तीरीहमप्यन्

ताद्यन्तमयनारि स्वामीरेहम् मा

इन्नेनमसनष्ठी न्नेन्नमिष्ठाया

स्थीतश्चेत्तीर्षपद्म्बूद्ध्यापन

ष्ठीलरेहमंजद्यम्भेन्नीउम्मद्

ठंकम्मारेनीकर्मनायुक्तपावरीर्थ

छेनेविस्तीर्ष्णुष्ठेन्नुनस्ताष्ठता

पत्रष्ठीजरंघनमसनदाननीशीती

क्षयस्ताष्ठेन्नेस्तीर्ष्णसन्धत्तमा

जिल्मयनंद्यविष्ठेन्नेन्नम्भन्नष्ठ

रेषीश्वतद्यहरीहम्





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com